Publication	Edition	Date	Page
Crime Bharti	Sirsa	January 21, 2015	-

महिला सशक्तिकरण में अहम् भूमिका निभा रहा है एटीडीसी

सिरसा(क्राईम भारती)। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा प्रायोजित गांव फूलकां स्थित अपरैल ट्रेनिंग एंड डिजाईन सैंटर में पिछले डेढ वर्ष से अपरैल ट्रेनिंग मैन्युफैक्चरिंग व सिलाई प्रशिक्षण में पांच सौ से ज्यादा(एसओबी के 287, एससीबी के 154, एफडीटी के 30, एएमएटी के 30, पीएसक्यूसी के 25) को प्रशिक्षण देकर विभिन्न विभिन्न चोटी की गौरमेंट्स तथा निर्यातक कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा चुका है, जिसमें 70 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। यह जानकारी देते हुए एटीडीसी के वरिष्ठ प्राचार्य डॉ. प्रियदर्शी जारूहार ने बताया कि एटीडीसी के दीर्घकालिक प्रशिक्षणों एएमटी, एफडीटी, पीएसक्यूसी, जीसीटी इत्यादि में अत्याधुनिक स्वचालित व हाईस्पीड़ सिलाई मशीनों पर प्रशिक्षण के अतिरिक्त व्यवसायिक अंग्रेजी, व्यक्तिगत विकास, कंप्यूटर

स्किलस, कार्मिक लॉ और पर्यावरण की भी शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राएं अच्छे वेतनमान प्राप्त कर सहायक या क्वालिटी सुपरवाईजर, चैकर, डिजाईनर आदि पदों पर पदास्थापित होते है। केवल इतना ही नहीं, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम भी अपने द्वारा प्रायोजित पिछड़ा वर्ग व निर्धन छात्र-छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ वजीफा राशी व कर्ज उपलब्ध करवाता है, जबकि एटीडीसी भी स्वैरोजगार हेतु विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य वित्त विकास संस्थान व बैंकों से सस्ती ब्याज दरों पर कर्ज उपलब्ध करवाती है। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त विकास निगम नई दिल्ली के प्रायोजित छात्रों को 3000 रूपये महीना वजीफा तथा 25 लाख रूपये तक का कर्ज देने का प्रावधान है। डॉ. जारूहार ने बताया कि सिरसा जिला में डीआरडीए/बीआरजीएफ/एडीसी कार्यालय द्वारा एससी/बीपीएल वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि मध्यपूर्व देश बहरीन की कंपनी मस्ट गारमेंट्स लिमिटेड के लिए गुड़गांव स्थित मुख्यालय में 27 जनवरी को प्रशिक्षित छात्रों के लिए साक्षात्कार होगा। प्रशिक्षण के लिए जनवरी सत्र के फार्म एटीडीसी में उपलब्ध है।

Publication	Edition	Date	Page
Punjab Kesari	Sirsa	January 21, 2015	-

युवाओं को रोजगार की राह दिखा रहा ए.टी.डी. सैंटर

सिरसा, 20 जनवरी (ब्यूरो): भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा प्रायोजित गांव फूलकां स्थित अपरैल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सैंटर में पिछले डेढ़ वर्ष से अपरैल ट्रेनिंग मैन्युफैक्चरिंग व सिलाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसमें 500 से भी ज्यादा प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण लेकर विभिन्न गारमैंट्स तथा निर्यातक कम्पनियों में रोजगार प्राप्त कर चुके हैं। ए.टी.डी.सी. के वरिष्ठ प्राचार्य डा. प्रियदर्शी जारुहार ने बताया कि इस केंद्र में 70 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। उन्होंने बताया कि ए.टी.डी.सी. के दीर्घकालिक प्रशिक्षणों ए.एम.टी., एफ.डी.टी., पी.एस.क्यू.सी., जी.सी.टी. आदि में अत्याधुनिक स्वचालित व हाईस्पीड सिलाई मशीनों पर प्रशिक्षण के अतिरिक्त व्यावसायिक अंग्रेजी, व्यक्तिगत विकास, कम्प्यूटर स्किल्स, कार्मिक लॉ और पर्यावरण की भी शिक्षा दी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राएं अच्छे वेतनमान प्राप्त कर सहायक या क्वालिटी सुपरवाइजर, चैकर, डिजाइनर आदि पदों पर पदास्थापित होते हैं।

केवल इतना ही नहीं, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम भी पिछड़ा वर्ग व निर्धन छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण के साथ-साथ वजीफा राशि व ऋण उपलब्ध करवाता है, जबकि ए.टी.डी.सी. भी स्वरोजगार हेतु विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य वित्त विकास संस्थान व बैंकों से सस्ती ब्याज दरों पर ऋण उपलब्ध करवाती है। डा. जारुहार ने बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त विकास निगम नई दिल्ली के प्रायोजित छात्रों को 3000 रुपए महीना वजीफा तथा 25 लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि जिले में पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि योजना के तहत डी.आर.डी.ए., ए.डी.सी. कार्यालय द्वारा एस.सी., बी.पी.एल. वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए जनवरी सत्र के फार्म ए.टी.डी.सी. सैंटर फूलकां में नि:शुल्क उपलब्ध हैं। इच्छुक अभ्यार्थी किसी भी कार्य दिवस को प्रात: 10 से 5 बजे तक उपरोक्त कार्यालय से फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

अपरैल ट्रेनिंग एंड डिजाइन सैंटर में प्रशिक्षण लेती महिलाएं। (पंकज)